

- इतिहास में अनुसंधान का स्वरूप एवं महत्व
Nature and Significance of Research in History
- शोध समस्या का चयन
Selection of a Research Problem
- अनुसंधान में भारतीय पद्धति का उपयोग
Application of Indic Methodologies in Research
- परिकल्पना निर्माण
Formulation of Hypotheses
- अधिगम एवं शोध के लिए डिजिटल संसाधन
Digital Resources for Learning and Research
- अभिलेखागार एवं क्षेत्रीय अन्वेषण
Archives and Fieldwork
- संदर्भ शैली का प्रयोग
Application of Referencing Styles
- शोध लेखन की प्रक्रिया
The Process of Research Writing
- साहित्यिक चोरी और अनुसंधान नैतिकता
Plagiarism and Research Ethics

प्रतिभागी (Participants) : कार्यशाला मुख्य रूप से शोधार्थियों, परास्नातक छात्रों और नए शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी रहेगी। कार्यशाला में प्रतिभागियों की संख्या 30-35 तक सीमित रहेगी। यह कार्यशाला सॉफ्टवेयर व तकनीकी उपकरणों के उपयोग के माध्यम से व्यवहारिक अनुसंधान का ज्ञान प्रदान करेगी।

पंजीकरण शुल्क

विद्यार्थी एवं शोधार्थी : 100.00 रुपये
विद्वान एवं शिक्षक : 200.00 रुपये

(पंजीकरण शुल्क कार्यशाला स्थल पर जमा किया जाएगा)

पंजीकरण लिंक : <https://forms.gle/yMUdNnyPLJrpufZN7>
आवश्यक सूचना

प्रतिभागी विद्वानों तथा शोधकर्ताओं के आवास एवं भोजन की व्यवस्था संस्थान द्वारा की जाएगी तथा स्थानीय यातायात की व्यवस्था शोध संस्थान आवश्यकतानुसार उपलब्ध करवाएगा।

पत्राचार पता :

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी
जिला हमीरपुर (हि.प्र.)-177001

दूरभाष : +91-9418666634, 01972-262905

E-mail : ishodhsanstanneri@gmail.com



ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान

द्वारा आयोजित

त्रिदिवसीय कार्यशाला

सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति : सिद्धांत और व्यवहार

(Research Methodology in Social Sciences : Theory & Practices)

कलियुगाब्द 5128, विक्रमी संवत् 2083,
ज्येष्ठ कृष्ण पंचमी-सप्तमी (05-07 जून, 2026)

कार्यशाला स्थल

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी
जिला हमीरपुर (हि.प्र.)-177001

ई-मेल : ishodhsanstanneri@gmail.com

संयोजक

प्रो. कंवर चन्द्रदीप सिंह

अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान संकाय
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
देहरा (हि.प्र.)

दूरभाष : +91-9531804179

सह-संयोजक

सन्नी कुमार

सहायक आचार्य, इतिहास विभाग,
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,
शिमला (हि.प्र.)

दूरभाष : +91-9816584518

त्रिदिवसीय कार्यशाला

सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति : सिद्धांत और व्यवहार

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी

ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान नेरी हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिला केन्द्र से 10 कि.मी. पश्चिम की ओर शिवालिक की सुरम्य घाटी में कुनाह खड्ड (नदी) के तट पर नेरी गांव में स्थित है। शोध संस्थान अपनी शोध यात्रा में भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध पक्षों पर कार्य करता रहा है। वर्तमान में संस्थान भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (आई.सी.एच.आर.), शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से एक शोध परियोजना, 'हिमाचल प्रदेश का बृहद इतिहास' पर शोधपरक कार्य कर रहा है, जो क्षेत्रीय इतिहास लेखन में मील का पत्थर सिद्ध होगा। इस संस्थान के संस्थापक ठाकुर रामसिंह इतिहास के महान चिन्तक, अध्येता एवं दूरदृष्टा थे। उन्ही के भागीरथ प्रयासों एवं कर्मणता के परिणाम स्वरूप संस्थान देश-विदेश से शोधकर्ताओं की कर्मस्थली बनता जा रहा है। शोध संस्थान में शोधकर्ताओं के लिए समृद्ध पुस्तकालय, वाचनालय, अभिलेखागार, अतिथि गृह तथा इंटरनेट आदि सुविधाएं उपलब्ध है।

भूमिका

अनुसंधान ज्ञान के विस्तार और नवीन जानकारीयों की खोज की एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक प्रक्रिया है। इसके माध्यम से किसी विषय से जुड़े तथ्यों का संग्रह, उनका परीक्षण, विश्लेषण और व्याख्या की जाती है, जिससे नए निष्कर्ष सामने आते हैं तथा ज्ञान के क्षेत्र का विकास होता है। सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान का विशेष महत्व है, क्योंकि इसके माध्यम से न केवल उपलब्ध स्रोतों को पढ़ने और उनकी व्याख्या करनी होती है, बल्कि उनके आलोचनात्मक परीक्षण, तुलना और विश्लेषण के माध्यम से वास्तविकताओं को समझने का प्रयास भी होता है। शोध कार्य को अधिक प्रमाणिक, व्यवस्थित और व्यापक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कार्यशाला शोधार्थियों और शिक्षाविदों के लिए आयोजित एक व्यवस्थित प्रशिक्षण है, जो शोध प्रस्ताव तैयार करने, डेटा संग्रह, विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन में वैज्ञानिक तकनीकों को सिखाने पर

केन्द्रित रहेगी। साथ ही शोध के नैतिक मुद्दों, साहित्यिक चोरी की जांच, और प्रकाशन प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान करेगी। सभी प्रतिभागी शोध प्रक्रिया की बारीकियों को समझेंगे और व्यावहारिक उदाहरणों के जरिये अपने अनुसंधान कौशल को निखारेंगे।

कार्यशाला के उद्देश्य (Objectives of the Workshop)

- इतिहास अनुसंधान की मूल पद्धतियों और सिद्धांतों की जानकारी देना।
- मौखिक इतिहास के महत्व, उसके स्रोतों और उन्हें संकलित करने की प्रक्रिया को समझाना।
- साक्षात्कार की विधि, क्षेत्रीय अन्वेषण की तकनीक तथा जानकारी (डेटा) एकत्र करने के व्यावहारिक तरीकों का प्रशिक्षण देना।
- ग्रामीण समाज के इतिहास, संस्कृति, परम्पराओं और सामाजिक संरचना के अध्ययन की पद्धतियों से परिचित कराना।
- क्षेत्रीय शोध कार्य हेतु प्रोत्साहित करना तथा शोधार्थियों को अपने क्षेत्र के इतिहास का दस्तावेजीकरण करने के लिए प्रेरित करना।
- शोध लेखन की तकनीक, संदर्भ शैली और ऐतिहासिक स्रोतों के सही एवं वैज्ञानिक उपयोग के बारे में मार्गदर्शन देना।
- सामाजिक विज्ञान में शोध की बुनियादी समझ विकसित करना।
- प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों के उपयोग की जानकारी देना।
- शोध लेखन, संदर्भ और विश्लेषण कौशल विकसित करना।
- विद्यार्थियों और शोधार्थियों को शोध के प्रति प्रेरित करना।

कार्यशाला के घटक एवं उप-विषय (Main Components & Sub-Themes of Workshop)

- सामाजिक अनुसंधान की अवधारणा और पद्धति
Concept and Methodology of Social Research
- अनुसंधान रचना एवं शोध समस्या का चयन
Research Design and Selection of a Research Problem
- प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों का अध्ययन एवं उपयोग
Study and Utilization of Primary and Secondary Sources
- साक्षात्कार तकनीक एवं फील्डवर्क पद्धति
Interview Techniques and Fieldwork Methodology
- शोध लेखन, संदर्भ पद्धति और अकादमिक ईमानदारी
Research Writing, Referencing Methods and Academic Integrity